अंतिम विदाई में हुए शामिल सांसद व भाजपा जिलाध्यक्ष...

दादी का पार्थिव देह पंचतत्व में विलीन, हज़ारों आँखें नम

शान्तिवन-आबू रोड(राज.)। मानवता की सेवा में सर्वस्व न्यौछावर कर लाखों लोगों को सौहार्द, शान्ति, अध्यात्म और मूल्यों का पाठ पढ़ाकर श्रेष्ठ चरित्र निर्माण करने वाली ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका 101 वर्षीय दादी रतनमोहिनी जी का पार्थिव देह गुरुवार सुबह 10 बजे पंचतत्व में विलीन हो गया। हज़ारों लोगों ने नम आँखों से दादी को अंतिम विदाई दी। युवाओं की दादी के नाम से प्रसिद्ध, आपने पूरे जीवन में लाखों युवाओं को नशामुक्त कर जीवन में नई राह दिखाई। मुख्यालय शान्तिवन के दादी निवास के सामने गार्डन में अंतिम संस्कार किया गया। दादी प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. करूणा व डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, दादी की निजी सचिव ब्र.कु. लीला दीदी सहित वरिष्ठ अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों ने मुखाग्नि दी। हज़ारों लोगों ने ओम् ध्वनि की और ओमशान्ति मंत्र का उच्चारण कर व मौन रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंतिम यात्रा में पहुंचे जालौर-सिरोही के सांसद लुंबाराम चौधरी ने कहा कि दादी का जाना पूरे जिले के लिए अपूर्णीय क्षति है। गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी शोक संदेश भेजकर संवेदना

सांसद व भाजपा जिलाध्यक्ष मुखाग्नि देते हुए

भोजन बनाने से लेकर हर काम में बंटाया हाथ

1950 का वह दौर जब ब्रह्माकुमारीज़ का स्थानांतरण माउंट आबू हुआ था। उस वक्त दादी की आयु मात्र 26 साल थी। संस्थान में मात्र 350 लोग थे। तब सभी मिल-जुलकर भोजन बनाने की सेवा करते थे। ऐसे में दादी रतनमोहिनी ने भी साफ-सफाई से लेकर भोजन की सेवा में हाथ बंटाया। यहां तक कि दादी 80 साल की उम्र तक अपने सारे निजी कार्य स्वयं करती रहीं। को संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, संयुक्त मुख्य व्यक्त की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, पूर्व विधायक जगसीराम कोली, विश्व हिन्दू परिषद के प्रमुख राजाराम, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश चौधरी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश प्रमुख हीराराम बारड़, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेश कोठारी, पूर्व जस्टिस वी. ईश्वरैया, सिविल जज शिवकांत कुशवाहा,ग्वालियर सहित शहर के भिन्न-भिन्न संस्थान के प्रतिनिधि, गणमान्य प्रबुद्धजन एवं देश-विदेश से आये पांच हज़ार से अधिक लोगों ने दादी को मुखाग्नि दी।

26 साल की उम्र में पहली बार माउंट आबू आईं

दादी रतनमोहिनी 26 साल की युवावस्था में सिंध से पहली बार ब्रह्मा बाबा के साथ मांउट आबू आईं थीं। विश्व सेवा और युवाओं को सद्मार्ग पर लाने की ऐसी धुन लगी कि आप सदा के लिए बाबा का हाथ पकड़ यहीं की होकर रह गईं। आपने अपना पूरा जीवन युवाओं के सशक्तिकरण, युवा जागृति और महिलाओं के सशक्तिरण में लगा दिया। युवाओं से विशेष प्रेम, स्नेह के चलते आपको सभी युवाओं की दादी कहकर पुकारते थे।

34 साल की उम्र में जापान में दिया संबोधन

दादी जब मात्र 34 साल की थीं तो जापान में आयोजित विश्व शान्ति सम्मेलन में दादी प्रकाशमणि के साथ ब्रह्माकुमारीज़ का प्रतिनिधित्व किया था। जब आपने सम्मेलन में अपना उद्बोधन देना शुरू किया और भारतीय संस्कृति की महिमा बताई तो चारों ओर सन्नाटा छा गया। इतनी कम उम्र में आध्यात्मिक गहराई की बातें सुनकर वहाँ मौजूद विद्वान अचंभित रह गए। इस दौरान एक साल तक एशिया के देशों में अध्यात्म और योग का परचम लहराया।

एकांत, अध्ययन और अध्यात्म में रही रुचि

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने दादी के साथ का अनुभव बताते हुए कहा कि दादी में बचपन से ही भक्तिभाव के संस्कार थे। वह छोटी उम्र में ही खेलने-कूदने की जगह ध्यान व अध्ययन में अपना वक्त बिताती थीं। बचपन से ही पढ़ाई में होशियार के साथ-साथ उनका स्वभाव धीर-गंभीर रहा। क्लास में समय पर जाना और होमवर्क समय से करने के कारण वह अपने सभी शिक्षकों की सबसे प्रिय विद्यार्थियों में अन्त तक शामिल रहीं।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित प्रमुख महानुभावों ने भी जताया शोक

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के निधन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री से लेकर कई राज्यपाल और मुख्यमंत्रियों ने शोक जताया व संवेदना व्यक्त की।

- महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने शोक संदेश में लिखा कि दादी रतनमोहिनी जी के निधन के बारे में जानकर बहुत दुःख हुआ। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का एक प्रकाश स्तंभ थीं। इस संस्थान ने मेरी जीवन यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दादी रतनमोहिनी जी ने अपनी शिक्षाओं और कार्यों से अनगिनत लोगों की सोच और जीवन को संवारा है। उन्होंने आजीवन सेवा, सद्भाव, शान्ति और परोपकार के संदेश का प्रसार किया। मैं पूरे विश्व में विद्यमान ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के सभी सदस्यों एवं इस संस्था के शुभचिंतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूँ।
- दादी के निधन पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आप आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर थी। आप सदैव प्रकाश, ज्ञान और करुणा के रूप में याद की जाएंगी। आपकी जीवन यात्रा सादगी और सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित रही। आपकी विनम्रता, धैर्यता, विचारों की स्पष्टता और दयालुता सदा याद रही। दुःख की इस घड़ी में मैं ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के साथ हूँ।
- मुंबई के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने शोक जताते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की आदरणीया राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी के देहावसान की खबर सुनकर बहुत दुःख हुआ। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया था। अपने 101 साल तक अनुशाषित और साधनापूर्ण जीवन कई युवाओं के लिए प्रेरणादायी रहा। मैं उन्हें भावनापूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।
- राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिखा कि लाखों लोगों में आध्यात्मिक प्रकाश को जगाने वाली दादी रतनमोहिनी जी के सेवा कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता है।
- मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोक संदेश में लिखा कि ब्रह्माकुमारीज़ के लिए यह दुःख का क्षण है। मैं सभी सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ। परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें।
- गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शोक संदेश भेजा है कि दादी जी ने अंतिम दिनों तक पूर्ण जीवन जिया। मात्र दो दिन की अस्वस्थता के बाद नश्वर देह त्याग दिया। आपने सात दशक तक समर्पित भाव से नारी जागृति, मानवीय मूल्यों, शान्ति और आध्यात्मिक जागृति के लिए जो सेवाएं की हैं, वह समाज और विश्व के लिए एक अनमोल धरोहर है।
- गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने लिखा है कि दादी ने बचपन में ही ब्रह्मा बाबा के सानिध्य में अपना जीवन आध्यात्मिक सेवाओं के लिए समर्पित कर दिया। आप शतायु तक सेवाएं करते रहे। ऐसी पुण्य आत्मा के प्रति मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि।
- बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लिखा कि

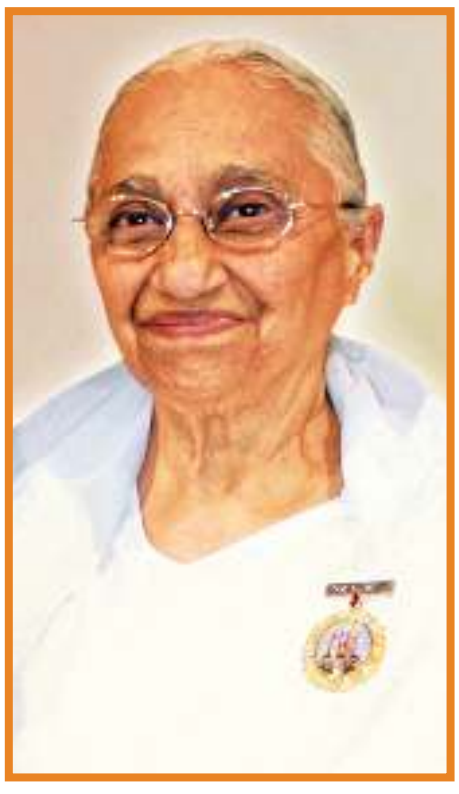

दादी ने अपना पूरा जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। उनके निधन से आध्यात्मिक जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है। दुःख की इस घड़ी में मैं उनके अनुयायियों के साथ हूँ।

- तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी ने लिखा है कि 140 देशों में फैले ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी के निधन के समाचार से दुःखी हूँ। आपने अपना पूरा जीवन लोगों के कल्याण में लगा दिया।
- केंद्रीय कृषि मंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान ने लिखा कि दादी जी का संपूर्ण जीवन योग, तपस्या और सेवा का प्रतीक रहा। उन्होंने लाखों लोगों को आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनका स्नेह, विनम्रता और दिव्यता सदैव स्मरणीय रहेगी। उनका निधन संपूर्ण मानव समाज व आध्यात्मिक जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है।
- तेलंगाना के माननीय राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि दादी ने अपना पूरा जीवन मूल्यों और आध्यात्मिकता के प्रचार-प्रसार में लगा दिया।
- गुजरात भाजपा के प्रवक्ता हिरेन कोटक ने कहा कि दादी ने ब्रह्माकुमारीज़ के वैश्विक आंदोलन को उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान किया।
- साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, छ.ग. के राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ विधान सभा, मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, तेलगू अभिनेता सुमन गुरु, प्रसिद्ध एक्टर अनुपम खेर सहित भारत के गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने शोक संदेश भेज दादी जी की विशेषताओं को याद कर शोक जताया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th April, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org